जमीनी अनुभव, शोध और नवाचार से बदलेगी शिक्षा : मिथिलेश तिवारी

201 दिनों में सूबे के सभी 38 जिलों तक चली यात्रा का पटना में समापन

(आज शिक्षा प्रतिनिधि)

पटना। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा है कि शिक्षा के क्षेत्र में वास्तविक परिवर्तन के लिए जमीनी अनुभव, शोध और नवाचार का समन्वय आवश्यक है। शिक्षा संकल्प यात्रा राज्य में ज्ञान के नए सूर्योदय की दिशा में सार्थक प्रयास है।

श्री तिवारी रविवार को पटना के गर्दनीबाग स्थित बापू टावर में आयोजित शिक्षा संकल्प सम्मेलन सह सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्य के सभी 38 जिलों में 201 दिनों तक चली शिक्षा संकल्प यात्रा के समापन पर यह समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान बिहार शिक्षा यात्रा-शून्य से शीर्ष की ओर% विषयक परिचर्चा में शिक्षा मंत्री ने संकल्प यात्रा के नायक निमेष शुक्ला के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि श्री शुक्ला ने यात्रा के दौरान छात्र-छात्राओं की प्रतिभा, उनकी शैक्षणिक जरूरतों और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी चुनौतियों को करीब से समझने का सराहनीय प्रयास किया। श्री तिवारी ने कहा कि यात्रा के दौरान प्राप्त अनुभवों के आधार पर शिक्षा व्यवस्था की कमियों को चिह्नित करना और आवश्यक सुधार की दिशा में पहल करना स्वागतयोग्य है। इस तरह के प्रयास शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण और छात्र-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर बनाने और हर बच्चे को सीखने के समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।



शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव के लिए जमीनी स्तर पर सामने आने वाली समस्याओं को समझना और उनके व्यावहारिक समाधान तलाशना जरूरी है।

हमारा संकल्प है कि बिहार का हर बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करे और अपनी प्रतिभा के बल पर विकसित बिहार के निर्माण में योगदान दे। समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले मार्गदर्शकों, शिक्षाविदों एवं विशिष्ट विभूतियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान स्मारिका का भी लोकार्पण किया गया।

विदेश जाने से चार दिन पहले सड़क हादसे में युवक की मौत

बक्सर (आससे)। सिमरी थाना क्षेत्र के खरहाटांड़-डुमरी पथ पर महरौली मोड़ के समीप शनिवार की देर रात बाइक और पिकअप की सीधी टक्कर में 35 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वाले युवक की पहचान महरौली गांव निवासी सुदर्शन यादव उर्फ तूफानी यादव के पुत्र विकास यादव के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने बताया कि विकास कुछ दिन पहले ही छुट्टी लेकर गांव आया था। वह चार-पांच दिनों बाद दोबारा काम करने के लिए विदेश जाने वाला था। लेकिन, विदेश लौटने से पहले ही सड़क हादसे ने उसकी जिंदगी छीन ली।

लैब बनाने वाली एजेंसियों को कारण बताओ नोटिस

पटना (आशिप्र)। राज्य के सरकारी माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में समग्र शिक्षा के अंतर्गत स्वीकृत भौतिकी, रसायन विज्ञान एवं जीव विज्ञान की प्रयोगशालाओं के निर्माण एवं अधिष्ठापन कार्य में धीमी प्रगति पर एजेंसियों को कारण बताओ नोटिस जारी किये गये हैं। इसके साथ ही हिदायत दी गयी है कि निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा किये जायें।

स्कूलों में प्रयोगशालाओं का निर्माण समय से पूरा करने पर सख्ती

ये निर्देश कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान दिये गये हैं। यह कार्य टीसीआईएल एवं रेलटेल द्वारा टर्नकी आधार पर कराया जा रहा है। टीसीआईएल को राज्य के 20 जिलों तथा रेलटेल को 18 जिलों में यह कार्य सौंपा गया है। अब तक रेलटेल द्वारा 1,055 तथा टीसीआईएल द्वारा 1,144 विद्यालयों से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त किये गये हैं। इस प्रकार कुल 2,199 विद्यालयों में प्रयोगशालाओं के निर्माण एवं अधिष्ठापन का कार्य कराया जा रहा है। शनिवार को बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य परियोजना निदेशक द्वारा दोनों एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान पाया गया कि रेलटेल को आवंटित 1,055 विद्यालयों में से मात्र 78 विद्यालयों तथा टीसीआईएल को आवंटित 1,144 विद्यालयों में से 273 विद्यालयों में ही निर्माण कार्य पूर्ण हुआ है। साथ ही, कुछ विद्यालयों में अभी तक कार्य प्रारंभ भी नहीं किया गया है। कार्य की धीमी प्रगति पर राज्य परियोजना निदेशक नवदीप शुक्ला द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए दोनों एजेंसियों को कार्य में तेजी लाने के सख्त निर्देश दिए गए। निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा करने की जिम्मेदारी एजेंसियों की होगी तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जायेगी। धीमी प्रगति को लेकर दोनों एजेंसियों से शोकॉज भी किया गया है। समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया गया कि 30 नवंबर तक रेलटेल द्वारा 518 विद्यालयों तथा टीसीआईएल द्वारा 816 विद्यालयों में प्रयोगशालाओं का निर्माण पूर्ण करने के साथ-साथ आवश्यक फर्नीचर एवं उपकरणों की आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए प्रयोगशालाओं को संबंधित प्रधानाध्यापकों को हस्तगत कराया जाय। निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति नहीं होने पर एजेंसियों पर अर्थदंड लगाने की भी स्पष्ट चेतावनी दी गयी। साथ ही प्रयोगशालाओं के निर्माण एवं अधिष्ठापन कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया। प्रयोगशालाओं के निर्माण एवं अधिष्ठापन कार्य की जिला स्तर पर भी समीक्षा की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों, जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों तथा समग्र शिक्षा के अधिकारियों के साथ समीक्षा करते हुए जिला स्तर पर कार्य की निगरानी एवं समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। राज्य परियोजना निदेशक ने सभी संबंधित अभियंताओं को क्षेत्र भ्रमण कर एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। जिला शिक्षा पदाधिकारियों को अपने स्तर से नियमित रूप से कार्य की समीक्षा करने तथा कार्य में आ रही समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने को कहा गया।

डिजिटल स्वास्थ्य संस्थानों में बिहार की उपलब्धि, स्कैन एंड रजिस्टर के मामले में देश में पहला स्थान

पटना (आससे)। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं में बिहार ने स्कैन एंड रजिस्टर में देश में पहला स्थान हासिल किया हैं। राज्य स्वास्थ्य समिति बिहार की 21 अक्टूबर 2026 की रिपोर्ट के अनुसार इस श्रेणी में राज्य में 8.12 करोड़ का आंकड़ा दर्ज किया गया हैं। वहीं, एबीएचएच निर्माण में बिहार पांचवें और स्वास्थ्य रिकॉर्ड लिंकिंग में चौथे स्थान पर हैं। इन दोनों क्षेत्रों में रैंकिंग सुधारने की संभावना को देखते हुए राज्य स्तर पर आगे की रणनीति तैयार की गई हैं। राज्य स्वास्थ्य समिति की कार्ययोजना में एबीएचएच निर्माण बढ़ाने के लिए अस्पतालों के ओपीडी पंजीकरण काउंटर पर ही एबीएचएच बनाने पर जोर दिया गया है, ताकि मरीजों को दोबारा कतार में न लगना पड़े। गांवों और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर स्तर पर आशा कार्यकर्त्ताओं एवं एएनएम के माध्यम से एबीएचएच कैंप लगाने की भी योजना हैं। इसके साथ ही सही मोबाईल नंबर दर्ज करने और जिन लोगों का मोबाईल नंबर आधार से पंजीकृत नहीं है, उनके लिए फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से एबीएचएच बनाने पर ध्यान दिया जायेगा। स्कैन एंड रजिस्टर में देश में पहला स्थान बनाये रखने के लिए स्वास्थ्य संस्थानों में क्यूआर कोड को स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाली जगह पर लगाने और उसे चालू रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की रणनीति बनायी गई हैं। काउंटर कर्मचारियों को क्यूआर कोड स्कैन कर ओपीडी टोकन बनाने का नियमित प्रशिक्षण देने के साथ पोस्टर, बैनर और घोषणाओं के माध्यम से मरीजों में जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया हैं।

दशहरा मेला एवं पटना एक्सपो सांस्कृतिक धरोहर एवं आपसी सौहार्द का प्रतीक : डीएम

पटना (आससे)। जिलाधिकारी पटना के कुंदन कुमार ने रविवार को गांधी मैदान में आयोजित दशहरा मेला एवं पटना एक्सपो 2026 का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। यह मेला 25 अक्टूबर से 6 नवंबर तक चलेगा। इस मौके पर जिलाधिकारी पटना ने कहा कि ऐसे आयोजन से मूल उद्देश्यों एवं इसके सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व को गहराई से रेखांकित करते हैं। उन्होंने इसतरह के मेलों को सांस्कृति धरोहर एवं आपसी सौहार्द का प्रतीक बताया। श्री कृष्ण स्मारक विकास समिति के अध्यक्ष सह पटना प्रमंडल आयुक्त राजेश कुमार, समिति के प्रभारी पदाधिकारी प्रतिभा सिन्हा ने अतिथियों एवं प्रदर्शकों का स्वागत एवं



अभिनंदन किया। दशहरा मेला एवं पटना एक्सपो 2026 में विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों से जुड़े प्रतिष्ठानों, कंपनियों एवं ब्रांड्स की सहभागिता देखने को मिल रही हैं। एक्सपो में कंज्यूमर प्रोडक्ट्स एवं शॉपिंग, रियल एस्टेट एवं प्लॉट, ऑटोमोबाईल सहित अन्य स्टॉल लगाये गये हैं।

धन के लालच में नैतिकता नहीं खोना चाहिए : महंथ सुरेश चन्द्र शास्त्री

पटना (आससे)। बिहार कॉलोनी अगमकुआं में विश्व शांति, राजशांति, समाज शांति, पर्यावरण संरक्षण की भावना से श्रमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ आज पूर्णिमा के अवसर पर आरंभ हुआ। व्यासपीठ पर कथा व्यास श्रीराधा कृष्ण प्रणामी मंदिर परमहंसपीठ सत्संग धाम के महंथ आचार्य सुरेशचन्द्र शास्त्री का व्यासपूजन पुन्नी देवी एवं परिवार के सदस्यों सहित अन्य श्रद्धालुओं ने किया। मंगलाचरण करते हुए शास्त्रीजी ने कहा, संसाररूपी भवसागर से पार होने के लिए घर घर में होनी चाहिए कृष्णकथा। धन के लालच में कभी नैतिकता नहीं खोना चाहिए। नैतिकता को छोड़कर जो अधर्म के मार्ग में चल रहे हैं उन्हें धर्म के मार्ग में लाने की जरूरत है। इसके लिए श्रीमद्भागवत कथा का ज्ञान मार्गदर्शन देती है। श्रीमद्भागवत इस जीवन को सही से जीने की युक्ति बताकर मोक्ष प्राप्ति का उपाय भी बताती है। भागवत श्रीकृष्ण भक्ति के लिए प्रेरित करती है। जीवन में भक्ति के बिना सन्मार्ग में चलने का अवसर नहीं मिलता।

अगमकुआं में श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ आरंभ

शास्त्री जी ने कहा, श्रीराधाकृष्ण प्रणामी मंदिर राजापुर द्वारा जो १२०००० वृक्षारोपण का लक्ष्य रखा गया है वह भागवत कथा के श्रोताओं को प्रेरित करके किया जा रहा है। हर व्यक्ति को अपने घर के आसपास वृक्षारोपण का संदेश देता है यह अभियान। शास्त्रीजी ने कहा, बच्चों में अच्छे संस्कार विकसित करने के लिए बच्चों को गुरुसंस्कार दीक्षा दिलायें। कथा के बीच में गौतम पांडेय ने कृष्ण भजन गाकर भक्ति भाव का अलख जगाया।

लोक्खी पूजा में सपरिवार शामिल हुए बंगीय समाज के श्रद्धालु

श्रीचक्र उपासना से लक्ष्मी पूजा का दिव्य दर्शन

पटना (आससे)। कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा शारदीय पूर्णिमा, लक्ष्मी पूजा बंगीय समाज का लोक्खी पूजा श्रद्धा भक्तिपूर्वक मनाया गया। मैथिल समाज में कोजागरा मनाया गया। प्रदोष काल नीशीथ काल में मां लक्ष्मी की पूजा आराधना की गयी। शास्त्रमतानुसार पूजनोपरांत अर्द्धरात्रि में गाय के दूध में बनी खीर का भोग पूजित भगवान और मां लक्ष्मी को भोग लगाकर रात्रि भर खुली चांदनी में रखा गया। शारदीय पूर्णिमा के चन्द्र किरण से अमृत बरसती है। ऐसी मान्यता है कि इस किरण से पोषित वह खीर स्वास्थ्य के लिए हितकर होता है। भारतीय आध्यात्मिक आश्रम फाउंडेशन में मां लक्ष्मी के प्राकट्य दिवस पर श्रीचक्र उपासना का दिव्यदर्शन श्रद्धालुओं को हुआ। यह प्रदोष काल से मध्य रात्रि तक पूजा पाठ जप आदि होता रहा। फाउंडेशन के संस्थापक तंत्र एवं ज्योषित साधक २५ वर्षीय कुमार प्रशस्त पुरुषोत्तम कहते हैं कि श्रीचक्र उपासना सम्पूर्ण रूप से श्रीवृद्धि की कामना से युक्त होता है। तांत्रिक पूजा उपासना हमें स्वधर्म से जोड़ता है। हमारा मानव जीवन अपने आप में एक जटिल तंत्र है। तंत्र समझने और साधने से अपेक्षित फल देता है। तंत्र साधना में शारदीय पूर्णिमा का विशेष महत्व है। मां लक्ष्मी को पान, मखाना, पायस, मेवा आदि का भोग अर्पण किया गया। सुरोद्यान पूजा अनुष्ठान समिति बंगाली अखाड़ा में ८:३० बजे लोक्खी पूजा आरंभ होने से पहले बंगीय समाज के श्रद्धालु सपरिवार उपस्थित हो गये। मां लक्ष्मी का षोड्शोपचार पूजन किया गया। मां लख्मी को पुष्पांजलि अर्पित की गयी। मां लक्ष्मी को फल, मिष्ठान सहित मूंग दाल, चावल की बनी विशेष प्रकार की खिचड़ी प्रसाद का भोग अर्पण किया गया। प्रसाद में सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सार्वजनिक लक्ष्मी पूजा का यह दृश्य पटना कालिबाड़ी सहित सभी सार्वजनिक दुर्गापूजा समिति की लोक्खी पूजा में शोभयमान रहा राजधानी में।

मगध में कोजागर व्रत करके श्रद्धालुओं ने मां लक्ष्मी की उपासना की। यहां की मायन्ता है कि इस दिन कोजागर व्रत करके रात्रिभर जाग कर भक्ति करने से मां लक्ष्मी की कृपा बरसती है। आज भी आस्था अटूट है मगध क्षेत्र में।

बीबोस में टीओसी के लिए 31 तक आवेदन

(आज शिक्षा प्रतिनिधि)

पटना। बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड (बीबोस) में ट्रांसफर ऑफ क्रेडिट (टीओसी) के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर तय की गयी है। आवेदन की प्रक्रिया एक अक्तूबर से शुरू हुई थी। किसी अन्य मान्यता प्राप्त बोर्ड की परीक्षा में असफल विद्यार्थी ओपन स्कूल बीबोस के माध्यम से फिर परीक्षा दे सकते हैं।

टीओसी प्रक्रिया के तहत विद्यार्थी पूर्व की परीक्षा के अधिकतम दो विषयों के अंकों को बीबोस में स्थानांतरित करा सकते हैं।

उन्हें इन विषयों की परीक्षा दोबारा नहीं देनी होगी। आवेदन करते समय उन्हें स्थानांतरित विषयों समेत पांच विषयों के लिए पंजीयन कराना होगा। उनके पास पूर्व बोर्ड की मार्क्सशीट, माइग्रेशन और अन्य दस्तावेज होने चाहिए। साथ ही मार्क्सशीट की वैधता पांच वर्ष से ज्यादा नहीं हो। बीबोस राज्य सरकार द्वारा स्थापित एक मान्यता प्राप्त बोर्ड है। यह 10वीं और 12वीं के समकक्ष परीक्षाएं आयोजित करता है। बोर्ड का उद्देश्य शिक्षार्थियों को पढ़ाई जारी रखने और अपनी शैक्षणिक योग्यता पूरी करने का अवसर देना है।

पटना में आज सजेगी आईवीवाई भोजपुरी म्यूजिक अवॉर्ड 2026 की महफिल

बापू सभागार में जुटेंगे भोजपुरी सिनेमा और संगीत जगत के दिग्गज, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी होंगे मुख्य अतिथि

पटना (आससे)। भोजपुरी संगीत और सिनेमा के चाहने वालों के लिए 26 अक्टूबर का दिन खास होने जा रहा है। राजधानी पटना के बापू सभागार में सोमवार को 'आईवीवाई भोजपुरी म्यूजिक अवॉर्ड 2026' का आयोजन किया जाएगा। 'सुरों का जश्न, सितारों के संग' की थीम पर आयोजित इस समारोह में भोजपुरी संगीत जगत के नामचीन कलाकार अपनी मौजूदगी से चार चाँद लगाएंगे। कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

समारोह में मंत्री अशोक चौधरी, मंत्री मिथिलेश तिवारी, सांसद शांभवी चौधरी और मंत्री डॉ. रामचंद्र प्रसाद सहित कई विशिष्ट अतिथियों के शामिल होने की जानकारी दी गई है। राजनीतिक और सांस्कृतिक जगत की हस्तियों की मौजूदगी के बीच यह आयोजन भोजपुरी संगीत की लोकप्रियता और सांस्कृतिक पहचान को मंच प्रदान करेगा।

यशी फिल्म्स के प्रमुख अभय सिन्हा ने बताया कि आईवीवाई भोजपुरी म्यूजिक अवॉर्ड 2026 भोजपुरी संगीत और सिनेमा जगत के लिए एक महत्वपूर्ण आयोजन है। भोजपुरी संगीत ने अपनी मधुरता, लोक संस्कृति और दमदार प्रस्तुतियों के दम पर देश-दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। इस समारोह का उद्देश्य भोजपुरी संगीत से जुड़े कलाकारों, गायकों, गीतकारों और संगीतकारों के योगदान को सम्मान देना तथा नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना है। हमें उम्मीद है कि यह आयोजन भोजपुरी मनोरंजन जगत को नई ऊर्जा देगा और कलाकारों के बीच उत्साह बढ़ाएगा।

आईवीवाई कंपनी के विनय सिंह ने कहा कि 'सुरों का जश्न, सितारों के संग' भोजपुरी संगीत की लोकप्रियता और उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है। पटना में इतने बड़े स्तर पर भोजपुरी संगीत जगत की हस्तियों का जुटना बिहार के लिए गर्व की बात है। हमारी कोशिश है कि दर्शकों को मनोरंजन से भरपूर यादगार अनुभव मिले और भोजपुरी संगीत को एक व्यापक मंच प्राप्त हो। यह आयोजन कलाकारों, संगीत प्रेमियों और भोजपुरी इंडस्ट्री से जुड़े सभी लोगों के लिए खास साबित होगा।

कार्यक्रम में भोजपुरी फिल्मों और संगीत के कई चर्चित सितारों के शामिल होने की उम्मीद है। इनमें मनोज तिवारी, पवन सिंह, दिनेश लाल यादव 'निरहुआ', अरविंद अकेला कल्लू, रितेश पांडेय, राकेश मिश्रा, अंशुमान सिंह, विजय चौहान, प्रमोद प्रेमी, गुंजन सिंह, रोशन रोही और रवि रंजन के नाम शामिल हैं। वहीं, अभिनेत्री मोनालिसा, नीलम गिरी, आस्था सिंह, मेघाश्री, सृष्टि भारती, अपर्णा मलिक, शिवानी सिंह, डिंपल सेठ, शिल्पी राघवानी और ऋतु सिंह अपनी मौजूदगी से समारोह की रौनक बढ़ाएंगी। भोजपुरी गायिका शिल्पी राज और श्रुति राव भी इस आयोजन के प्रमुख आकर्षणों में शामिल होंगी।

भोजपुरी संगीत आज बिहार और पूर्वांचल की सीमाओं से निकलकर देश-विदेश में अपनी पहचान बना चुका है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से कलाकारों को प्रोत्साहन देने, संगीत की नई प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और क्षेत्रीय संस्कृति को आगे बढ़ाने का अवसर मिलता है। अब सबकी निगाहें 26 अक्टूबर को पटना में होने वाले इस सितारों भरे आईवीवाई भोजपुरी म्यूजिक अवॉर्ड 2026 पर टिकी हैं, जहाँ सुर, संगीत और मनोरंजन का संगम देखने को मिलेगा।

सोराइटिक आर्थराइटिस से खराब हुए घुटने का हुआ सफल प्रत्यारोपण

(आज समाचार सेवा)

पटना। सोराइटिक ऑर्थराइटिस के कारण दोनों घुटनों को गंभीर नुकसान पहुंचने से परेशान 54 वर्षीय मरीज फोर्ड अस्पताल में घुटना प्रत्यारोपण कराने के लिए पहुंचा। जहां चिकित्सकों ने मरीज के बाएं घुटने का सफल प्रत्यारोपण किया। सर्जरी के अगले दिन ही मरीज चलने लगे। अस्पताल के हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डा.राजा अनुराग के अनुसार सोराइटिक ऑर्थराइटिस में समय पर बीमारी की पहचान और उचित इलाज बेहद जरूरी है, ताकि जोड़ों का होने वाले गंभीर नुकसान से बचाया जा सके। उन्होंने बताया कि सोराइटिक आर्थराइटिस प्रतिरक्षा से जुड़ी सूजन संबंधी बीमारी है, जो सोरायसिस नामक त्वचा रोग से संबंधित हो सकती हैं। इसमें घुटनों सहित शरीर अन्य जोड़ों में दर्द, सूजन और अकड़न की समस्या होती हैं। लंबे समय तक बीमारी नियंत्रित नहीं रहने पर जोड़ों को स्थायी नुकसान पहुंच सकता हैं।

'भास के नाटकों का राजनैतिक आयाम' पर हुई चर्चा

पटना (आससे)। संस्कार भारती ने समाज को एक उच्च दृष्टिकोण प्रदान कर, उसे गढ़ने तथा सभ्यता के उच्च शिखर पर ले जाने के लिए कला और साहित्य के मिश्रित कार्यक्रम का मासिक आयोजन करने संकल्प लिया है। संस्कार भारती, पटना महानगर इकाई के द्वारा मंचीय कला एवं लोक कला पर आधारित मासिक संगोष्ठी कार्यक्रम कला संवाद के अंतर्गत हर माह के अंतिम रविवार को अलग-अलग विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया जाता है, जिसके लिए उस विषय के विशेषज्ञ को आमंत्रित किया जाता है तथा उनके वक्तव्य के बाद संबंधित विषय पर दर्शकों से प्रश्न लिए जाते हैं तथा उसका उत्तर दिया जाता है जिससे बेहतर वैचारिक समूह का निर्माण किया जा सके। कला संवाद की इस कड़ी में आज दिनांक 25 अक्टूबर 2026 को 'भास के नाटकों का राजनैतिक आयाम' विषय पर चर्चा हुई की। आज के मुख्य वक्ता थे ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय, मधेपुरा के नाट्य कला विषय के सहायक प्राध्यापक डॉ. मदन मोहन कुमार, इस संगोष्ठी को मोडरेट कर रहे थे डॉ. शैलेन्द्र।

कार्यक्रम काआरंभ गायत्री महामंत्र के सामूहिक उच्चारण के साथ हुआ। मंत्रोच्चार के बाद सर्व प्रथम संस्कार भारती के ध्येय गीत की प्रस्तुति की गई।

इसके बाद आज के कला संवाद का संचालन कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता एवं रंगकर्मी डॉ शैलेन्द्र ने सर्वप्रथम महाकवि भास का संक्षिप्त परिचय देते हुए 'महाकवि भास के नाटकों का राजनीतिक आयाम' विषय पर अपनी भूमिका प्रस्तुत की। इसके पश्चात् उन्होंने आज के मुख्य वक्ता डॉ. मदन मोहन कुमार, ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय, मधेपुरा के नाट्य कला विषय के सहायक प्राध्यापक, का परिचय कराते हुए उन्हें विषय-प्रवर्तन के लिए आमंत्रित किया। डॉ. मदन मोहन ने भारतीय परंपरा के प्रथम नाटककार भास के नाटकों के राजनैतिक आयामों को दर्शकों के समक्ष रखा। जिसमे उन्होंने कला और राजनीति के अंतरसंबंधों की चर्चा करते हुए प्राचीन भारतीय कला और राजनीति पर प्रकाश डाला साथ ही साथ भास के राजनीतिक दृष्टिकोणों की बात करते हुए राजतंत्र में काला के अस्तित्व और उसके राजनीतिक स्वरूपों के बार मे दर्शकों को जानकारी दी तत्पश्चात भास के नाटकों में सशक्त राजनीति को इंगित करने वाले पहलुओं और तथ्यों को प्रस्तुत करते हुए अपने वाणी को विराम दिया। व्याख्यान में उजागर हुए तथ्यों और पहलुओं पर दर्शकों ने प्रश्नोत्तरी सत्र में उनसे अपने सवाल पूछे जिसका उत्तर डॉ. मदन मोहन ने बखूबी दिया।

वंदे मातरं गीत के बाद धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम के समाप्ति की घोषणा की गई। कार्यक्रम में आदि शामिल थे। कार्यक्र म को सफल बनाए में कला संवाद कार्यक्रम के संयोजक जीतेन्द्र कुमार चौरसिया एवं भारतेन्दु कुमार सिंह , राजीव घोष , यश राज ,सत्यप्रकाश आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कला संवाद कार्यक्रम का मंच संचालन भी कर रहे थे संस्कार भारती, पटना महानगर इकाई के महामंत्री डॉ. शैलेन्द्र।

लघुकथा का मर्म है 'लघुता में प्रभुता' : डा. अनिल सुलभ

पटना (आससे)। लघुकथा का मर्म है, लघुता में प्रभुताई! कम शब्दों में बड़ी बात कहना ही, लघुकथा का उद्देश्य है। बड़ी बात कहने के लिए लेखक को बड़ा होना पड़ता है।' राम चरित मानस' लिखने के लिए तुलसीदास होना पड़ता है। यह बातें रविवार को साहित्यिक संस्था लेख्य मंजूषा के तत्वावधान में साहित्य सम्मेलन में आयोजित गद्य-गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। डा सतीश राज पुष्करणा की 80 वीं जयंती और डा कल्याणी कुसुम सिंह की स्मृति को समर्पित इस गोष्ठी में उन्होंने कहा कि लघुकथा-आंदोलन ने डा पुष्करणा को अमर कर दिया। कल्याणी जी एक गंभीर और चिंतनशीला संवेदना संपन्न लेखिका थीं! वरिष्ठ साहित्यकार डॉ किशोर सिन्हा, डॉ अनीता राकेश, शुभ चंद्र सिन्हा तथा डॉ सुनील कुमार उपाध्याय ने अपने-अपने विचार रखें तथा दोनों साहित्यिक विभूतियों को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया।

वरिष्ठ लेखिका डॉ. पूनम देवा, रंजना सिंह, मीरा प्रकाश, नूतन सिन्हा, सुधा पाण्डेय, डॉ. प्रमोद कुमार, एकता कुमारी, तनूजा सिन्हा, ऋचा वर्मा, गार्गी राय, मीरा श्रीवास्तव, डॉ मीना कुमारी परिहार 'मान्या', सीमा रानी, प्रियंका श्रीवास्तव 'शुभ्र' आदि लेखिकाओं ने लघुकथा एवं समीक्षा का पाठ किया।

संस्था के उपाध्यक्ष मधुरेश नारायण ने अतिथियों का स्वागत और मंच का संचालन आशा रघुदेव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन संस्था के सचिव रवि श्रीवास्तव ने किया।

राजगीर और नालंदा के समग्र विकास के लिए 1050 करोड़ रुपये की स्वीकृति : पर्यटन मंत्री

ऐतिहासिक शहरी राजगीर आध्यात्मिक शिक्षा, बौद्ध दर्शन, ध्यान तथा अंतरराष्ट्रीय संवाद का उत्कृष्ट केंद्र बनेगा : पर्यटन मंत्री हमारी भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र है 'अतिथि देवो भव:' : श्रवण कुमार

राजगीर (नालंदा) (आससे)। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल राजगीर के रत्नागिरी पर्वत पर स्थित विश्व शांति स्तूप की 57वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई गई। इस वर्षगांठ को लेकर देश-विदेश से आए बौद्ध भिक्षुओं एवं धर्मावलंबियों ने भक्ति भावना के साथ भगवान बुद्ध की पूजा-अर्चना कर देश में शांति एवं सद्भावना बनी रहे, इसके लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम का शुभारंभ बिहार के पर्यटन मंत्री केदार नाथ गुप्ता, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार तथा सांसद कौशलेंद्र कुमार ने भगवान बुद्ध की पूजा-अर्चना कर किया।

इस अवसर पर पर्यटन मंत्री केदारनाथ गुप्ता ने कहा कि बिहार की यह पावन भूमि शुरू से ही भगवान बुद्ध के ज्ञान, करुणा और शांति की भूमि रही है। उन्होंने कहा कि राजगीर महात्मा बुद्ध के समय से ही एक तीर्थ स्थल रहा है, इतना ही नहीं, धर्मचक्र प्रवर्तन भी यहीं हुआ था। पर्यटन मंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में 'वन स्टेट, वन ग्लोबल डेस्टिनेशन' विजन के तहत बोधगया, राजगीर एवं नालंदा के ऐतिहासिक और धार्मिक पर्यटन स्थलों को विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा, अत्याधुनिक सुविधाएं और बेहतरीन कनेक्टिविटी प्रदान करके भारत को विश्व पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित कर रहे हैं। इसके लिए राजगीर एवं नालंदा के समग्र विकास हेतु डेस्टिनेशन रणनीति एवं विकास योजना तैयार की गई है, जिसकी अनुमानित लागत 1050 करोड़ रुपए है। इसे स्वीकृति हेतु पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार को भेजा गया है, जिसकी शीघ्र स्वीकृति मिलने की संभावना है।

इसके अलावा पर्यटकों के त्वरित एवं सुगम भ्रमण हेतु



'मुख्यमंत्री बिहार हेली टूरिज्म सेवा योजना 2026' में प्रारंभ की गई है, जिसके अंतर्गत पटना से राजगीर एवं राजगीर से पटना हेली सेवा प्रारंभ की गई है। इसका एक तरफ का किराया 4000 रुपये प्रति व्यक्ति निश्चित किया गया है। वहीं पर्यटन पैकेज के अंतर्गत पटना से राजगीर तथा दूसरे दिन राजगीर से पटना की यात्रा को शामिल किया गया है।

मंत्री ने कहा कि बौद्ध भिक्षु फूजी गुरुजी द्वारा स्थापित यह स्तूप पूरे विश्व के लिए शांति, अहिंसा और करुणा का दिव्य प्रतीक है। राजगीर शांति स्तूप आधुनिक भारत में बनने वाला पहला पैगोडा है और इसने विश्व शांति के विचार में अपार योगदान दिया है।

इस शांति स्तूप के निर्माण को पूरे 5 दशक बीत चुके हैं, फिर भी इस स्तूप की किंवदंती, विरासत और प्रासंगिकता लगातार मजबूत होती जा रही है।

इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि आज की इस वर्षगांठ के मौके पर यह संकल्प लेना चाहिए कि हम इस महान विरासत को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं संरक्षित रखें। हम अपने व्यवहार में अहिंसा, अपने विचारों में उदारता और अपने कर्मों में मानवता को ध्यान में रखेंगे। उन्होंने कहा कि शांति की शुरुआत हमारे परिवार, समाज और आसपास के वातावरण से होती है। जब व्यक्ति दूसरे के दुख को समझेगा, विभिन्न धर्मों का सम्मान करेगा और मतभेदों को संवाद से सुलझाएगा, तभी व्यापक स्तर पर शांति स्थापित हो सकेगी। मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत को सुरक्षित करने तथा बढ़ावा देने की दिशा में काफी कार्य किए हैं। नीतीश कुमार ने सभी धर्मों से जुड़े ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों की पहचान कर उनके विकास और सौंदर्यकरण पर विशेष ध्यान दिया है।

शरद पूर्णिमा पर बाबा हरिहरनाथ के दरबार पहुंचे केंद्रीय मंत्री और सांसद

सोनपुर कोर्ट। विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर स्थित ऐतिहासिक और पौराणिक बाबा हरिहरनाथ मंदिर में शरद पूर्णिमा पर रविवार शाम को एक विशेष आध्यात्मिक समागम देखने को मिला। देश और राज्य के विकास तथा लोक कल्याण के संकल्प के साथ केंद्रीय मंत्री, माननीय सांसद राज भूषण चौधरी, माननीय स्वांत